आंध्र युवती मंडली शिशु विहार स्कूल के स्वर्ण-जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री का भाषण

दिनांक 7 जनवरी, 2006
हैदराबाद

देवियो, सज्जनो और मेरे प्यारे छात्रो,

मुझे आपके स्कूल के स्वर्ण-जयंती समारोह में आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। छात्रों से मिलकर मुझे हमेशा खुशी होती है। जैसा कि आप जानते हैं, मैंने शिक्षक बनना पसंद किया था। आज भी मैं थोड़ी ऊंची कक्षा में ही सही, स्वयं को शिक्षक के रूप में ही महसूस करता हूं। इसलिए, मुझे स्कूल में आकर वास्तव में बहुत अच्छा लगता है। आपके स्कूल जैसी ऐतिहासिक संस्था में आकर तो मुझे और भी अधिक खुशी हुई है।

मेरा ख्याल है कि इस वर्ष वास्तव में आप दो अलग-अलग वर्षगांठ मना रहे हैं। बेशक, यह आंध्र युवती मंडली द्वारा स्थापित शिशु विहार स्कूल का स्वर्ण-जयंती समारोह है लेकिन इस वर्ष इसी मंडली की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ भी है। मेरा मानना है कि भारत सरकार अधिनियम के लागू होने का वर्ष, सन् **1935** वह ऐतिहासिक वर्ष था जब आंध्र युवती मंडली का निर्माण करने हेतु देशभक्त भारतीयों का एक समूह इकट्ठा हुआ था।

यह निश्चित ही एक ऐतिहासिक घटना रही है। उस समय भी जब विश्व के अनेक विकसित देशों में महिलाएं दोयम दर्जे की नागरिक होती थीं, यह वास्तव में एक उल्लेखनीय बात थी कि हैदराबाद के निज़ाम के इस निरंकुश राज्य में सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों के नेतृत्व में प्रबुद्ध नागरिक आगे आए ताकि महिलाओं के अधिकारों और बच्चों की शिक्षा के उद्देश्य को बढ़ावा दिया जा सके।

हमें इस तथ्य पर निश्चित रूप से गर्व करना चाहिए कि हमारे राष्ट्रीय आंदोलन का महिलाओं की स्थिति पर बहुत ही अच्छा प्रभाव पड़ा। इस संगठन के निर्माण के लिए साथ आई महिलाएं और पुरूष महात्मा गांधी की शिक्षाओं और सिद्धान्तों से काफी प्रभावित थे। गांधी जी शायद सम्पूर्ण विश्व में ऐसे पहले राजनेता थे जो साधारण महिलाओं को घरों, रसोईघरों, उनकी एकांतता से बाहर निकाल कर उन्हें सार्वजनिक जीवन में, सड़कों पर और राजनीतिक मंचों पर लेकर आये। विश्व में ऐसे कुछ ही राष्ट्रीय आंदोलन रहे होंगे जिनमें इतनी बड़ी संख्या में स्व-प्रेरणा से महिलाओं ने भाग लिया होगा।

सन् 1940 में सार्वजनिक जीवन के अपने 25 वर्षों पर प्रकाश डालते हुए गांधी जी ने कहा था जिसे मैं यहां उद्धृत करता हूं-

''मेरा योगदान जीवन के हर क्षेत्र में, चाहे यह किसी व्यक्ति के लिए हो अथवा राष्ट्र के लिए, ''सत्य और अहिंसा'' के अपनाने हेतु प्रस्तुत करने में है। मैंने यह आशा बांधे रखी है कि इस महिला के अन्तर्मन में निःसंदेह नेता होगा और इस प्रकार, उसको मानव के विकास में वह स्थान मिलेगा जो हीनभावना से उसकी रक्षा करेगा। महिला अहिंसा की अवतार है। अहिंसा का

तात्पर्य होता है - असीम स्नेह, और उसका अर्थ होता है दुख झेलने की अपार क्षमता। महिला को छोड़कर, इस क्षमता का बड़े पैमाने पर क्या कोई और प्रदर्शन कर सकता है? उसे अपने इस स्नेह को सम्पूर्ण मानवता के लिए उड़ेलने दें..... और वह मनुष्य के बराबर अपना गौरवशाली स्थान प्राप्त कर लेगी। वह सत्याग्रह में नेता बन सकती है।''

स्पष्ट है कि गांधी जी महिला-पुरुष समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति सच्चे अर्थों में प्रतिबद्ध थे। इसलिए इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि स्वर्गीय श्री बरगुला रामकृष्ण राव जैसे कांग्रेसी नेता तथा हैदराबाद राज्य के पहले लोकप्रिय निर्वाचित मुख्यमंत्री उन अग्रणी व्यक्तियों में से थे जिन्होंने आंध्र युवती मंडली के निर्माण में मदद की। यह जानना भी अत्यंत रूचिकर है कि सन् 1935 के शुरू में हैदराबाद के पुरुषों और महिलाओं के एक समूह जिसमें श्री बरगुला रामकृष्ण राव, श्री मदपति हनुमन्त राव, श्री के.वि. रंगारेड्डी, श्रीमती सीता कुमारी, श्रीमती सरस्वती देवी और श्रीमती अनंत लक्ष्मी देवी जैसे लोग थे, ने आपके संगठन का नाम ''आंध्र युवती मंडली'' रखा।

इस वर्ष जब आंध्र प्रदेश अपनी स्वर्ण-जयंती मना रहा है, आपके राज्य को इस बात पर गर्व महसूस करना चाहिए कि जिसमें आपकी जैसी संस्थाएं हैं, जिन्होंने ''स्वर्ण आंध्र प्रदेश'' के निर्माण में मदद की है। आंध्र युवती मंडली एक पथ-प्रदर्शक संस्था है और यह अग्रगामी लोगों की संस्था है। यह भारत के इस भाग में महिलाओं की सबसे पहले की शैक्षिक संस्थाओं में से एक है। मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूँ जो इस महान संस्था से जुड़े रहे हैं। मैं आपकी प्रतिबद्धता और लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आपके सुनहरे भविष्य की कामना करता हूँ।

आंध्र प्रदेश भाग्यशाली राज्य है कि इसके पास आपकी जैसी संस्थाएं मौजूद हैं जहां व्यक्तिगत पहल से सामूहिक फायदा हुआ है। मेरी कामना है कि आपके प्रयास सफल हों। मैं आपके मुख्यमंत्री श्री राजशेखर रेड्डी जी और उनके मंत्रिमण्डल के सहयोगियों की भी सराहना करता हूं जिन्होंने आंध्र प्रदेश की जनता को यह दिखा दिया है कि राज्य के विकास और प्रगति के प्रति उनकी सच्ची प्रतिबद्धता है। आपके राज्य का स्थान हमारे राष्ट्रीय विकास में सर्व प्रथम है।

श्री रेड्डी की अगुआई में कांग्रेस सरकार ने अनेक दूरगामी पहलें की हैं जिनसे आंध्र प्रदेश की प्रगति की गति तेज होगी। हमने आधारभूत ढांचा विकास, शिक्षा, औद्योगिक विकास में जो अनेक पहलें की हैं उनसे इस राज्य के सभी धर्मों के लोगों को फायदा मिलेगा। मैं जानता हूं कि श्री राजशेखर रेड्डी जी और उनके सहयोगी इस राज्य के सभी क्षेत्रों की चहुंमुखी प्रगति और विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। मैं इस कार्य में उनकी सफलता की कामना करता हूं।

देवियो व सज्जनो और मेरे प्यारे छात्रो,

हमारी सरकार बच्चों और महिलाओं को अधिकार-संपन्न बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमने महिलाओं को वैधानिक और अर्थिक अधिकार देने और हमारे बच्चों, विशेषकर लड़कियों की शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के लिए निवेश करने हेतु अनेक पहलें की हैं।

हमने लिंग भेदभाव रहित विधान और महिलाओं के लिए अनुकूल बजट बनाने की पहल की थी, जो सरकारों और जनता को महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाने में काफी सहायक सिद्ध होगा। हम एक ऐसा कानून ला रहे हैं जिससे महिलाओं के काम करने के घण्टों में लचीलापन आयेगा और औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्रों में महिलाओं को अधिक रोजगार प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। हमने महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा दिलाने के लिए एक विधेयक पारित किया है। हम महिलाओं को अधिकार-सम्पन्न बनाने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता (क्रिमिनल प्रोसिजर कोड) और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम में संशोधन लाए हैं।

महिलाओं के लिए अनुकूल बजट बनाने में हम लिंग भेद भाव के मुख्य मुद्दों पर ध्यान देंगे। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी महिलाओं की समस्याओं वाले परम्परागत क्षेत्रों के अतिरिक्त परिवहन, बिजली, पेट्रोलियम और इसी प्रकार के सभी क्षेत्रों में लिंग अनुकूल नीतियों, संसाधनों के आबंटन और कार्यान्वयन पर भी ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। काम-काजी महिलाओं के बच्चों के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय क्रेच योजना भी महिलाओं का सशक्तिकरण करने की दिशा में एक कदम है ताकि महिलाओं की कार्य के दौरान मदद की जा सके जब उनके बच्चों की देखभाल करने की जरूरत होती है। हम सरकार के सभी स्तरों पर तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की अधिक से अधिक और बराबर की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुझे इस बात पर भी गर्व है कि हमारी सरकार ने शैक्षिक तौर पर पिछड़े हुए ब्लॉकों में रहने वाली अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों की लड़कियों के लिए प्राथमिक स्तर पर 750 आवासीय विद्यालयों की स्थापना करने के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना की शुरूआत की है।

हमने अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल पर निवेश करके उनकी क्षमताओं में सुधार लाने के लिए अनेक पहलें भी की हैं। हमने सर्व शिक्षा अभियान के लिए वित्त-पोषण को काफी अधिक बढ़ा दिया है। हमने बाल पोषण कार्यक्रमों के लिए और अधिक वित्त-पोषण करके समेकित बाल विकास योजना का विस्तार किया है। बाल अधिकार रक्षा आयोग विधेयक, 2005 लोक सभा में मई 2005 में पेश किया गया था। भारतीय बच्चों के सम्पूर्ण स्तर में सुधार लाने के लिए राष्ट्रीय बाल कार्य योजना तैयार की जा रही है।

महिलाओं को अधिकार-संपन्न बनाने, बालिकाओं को शिक्षित करने और सभी बच्चों की क्षमता और योग्यता को बढ़ाने के लिए ऐसा बहुत कुछ है जो हमें करना होगा और हम कर सकते हैं। मैं यह सत्यनिष्ठा से प्रतिबद्धता व्यक्त करता हूं कि हमारी सरकार इन सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

मेरे प्यारे छात्रो,

मैं आप सभी छात्रों में उत्साह और जिज्ञासा की भावना का विकास होते देखना चाहता हूं। मुझे पता है कि आप सभी समझदार हैं, जैसा कि हम सभी को ठीक ही बताया जाता है कि आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। शायद इस पुरानी कहावत में कुछ कमी है। तेजी से आधुनिक होती जा रही इस दुनिया में और तत्काल संचार-संपर्क वाली इस दुनिया में नौजवानों के इस देश में आज के बच्चे वास्तव में आज के ही नागरिक हैं। सभी नागरिकों की ही तरह

आपके पास भी अधिकार और जिम्मेवारियां दोनों हैं। इसलिए आपकी शिक्षा हमारे भविष्य और हमारे वर्तमान के लिए किया गया निवेश है।

मैं एक ऐसे भारत का सपना देखता हूं जिसमें प्रत्येक बच्चा स्कूल जा सके। एक ऐसा भारत जिसमें कोई भी बच्चा भूखा न रहे। एक ऐसा भारत जिसमें सभी बच्चों को सीखने, खेलने, स्वस्थ रहने और गरिमा तथा आत्म-सम्मान की जिंदगी जीने का अवसर प्राप्त हो।

मैं अपने देश की माताओं को नमन करता हूं जो अपने खून, पसीने और आंसूओं से अपने बच्चों के स्वास्थ्य और खुशियों के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर देती हैं। मैं अपने देश की उन माताओं को नमन करता हूं जो अपने बच्चों को शिक्षित करती हैं। मैं उन माताओं को नमन करता हूं जो अपने शिशुओं को स्तनपान कराती हैं और उन्हें उचित चिकित्सा-परिचर्या के जरिए रोगों से सुरक्षा दिलाती हैं। मैं उन माताओं को नमन करता हूं जो आंध्र युवती मण्डली के कार्यों जैसे कार्यकलापों में भाग लेने के लिए समय निकालती हैं। आप एक नये भारत की सच्ची निर्माता हैं। ईश्वर करे आपको सफलता मिले।

जय हिंद।

******